भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

मौसम केन्द्र, भोपाल, मध्य प्रदेश
ईमेल / Email : mausambhopal@gmail.com

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
MINISTRY OF EARTH SCIENCES
GOVERNEMENT OF INDIA

Meteorological Centre, Bhopal, Madhya Pradesh
संपर्क / Phone : 755-2551496

शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025
Friday, 3 October 2025

प्रेस विज्ञप्ति – मध्य प्रदेश में अगले 2 दिनों के दौरान वर्षा की गतिविधियां

Press Release : Rainfall activities in Madhya Pradesh during next 2 days

जारी करने का समय – 13:00 भा.मा.स.
Time of Issue: 13:00 IST

वर्षा के प्रमुख आंकड़े (मिमी में) – पन्ना 55.0, अटेर 46.4, मझौली 39.4, घाटीगांव 29.4, सोनकच्छ 27.0, कैलाश 25.0, हट्टा 24.2, टोंकखुर्द 23.0, बजाग 20.0, बुधनी 20.0, पुष्पराजगढ़ 18.6, जतारा 18.0, पाटन 17.3, नर्मदापुरम 15.7, अमरकंटक 15.0, मऊ 15.0, बक्स्वाहा 14.8, दतिया 13.2, मुरैना 13.0, उज्जैन 13.0, मिहोना 12.0, नरसिंहपुर 12.0, बेनीबारी 11.2, रौन 10.0, महिदपुर 10.0, बहोरीबंद 9.4, सेंवढ़ा 9.0, वेंकटनगर 8.0, आष्टा 8.0, बादामलहेरा 7.2, डिंडोरी 7.2, अजयगढ़ 7.0, बकाल 6.0, पिपरिया 6.0, रीठी 5.4, विजयराघवगढ़ 5.2, शाहपुरा-जबलपुर 5.1, जबेरा 5.0, धुंधड़का 5.0, पानागर 4.6, चंदिया 4.4, भितरवार 4.2, जैतहरी 4.0, मवई 4.0, गुन्नौर 4.0, बाड़ी 3.5, लांजी 3.4, मैहर 3.2, करेली 3.0, नीमच 3.0, सौसर 3.0, कुरई 3.0, पिछोर 3.0, बलदेवगढ़ 3.0, बिछिया 2.4, नौगांव 2.0, बिजावर 2.0, पटेरा 2.0, अमरपुर 2.0, जबलपुर 2.0, गोटेगांव 2.0, बुढ़ार 2.0, शमशाबाद 2.0, मलाजखंड 1.8, इटारसी 1.6, बैतूल 1.4, चिचोली 1.2, घोड़ाडोंगरी 1.0, गोहद 1.0, मेहगांव 1.0, दमोह 1.0, कन्नौद 1.0, गाडरवारा 1.0, तेंदूखेड़ा-नरसिंगपुर 1.0, टीकमगढ़ 1.0, झाड़ा 1.0, बरहाई 0.8, सागर 0.6, राजनगर 0.4, इंदौर 0.1

Weather Forecast and Warnings valid till 8:30 morning of 04.10.2025

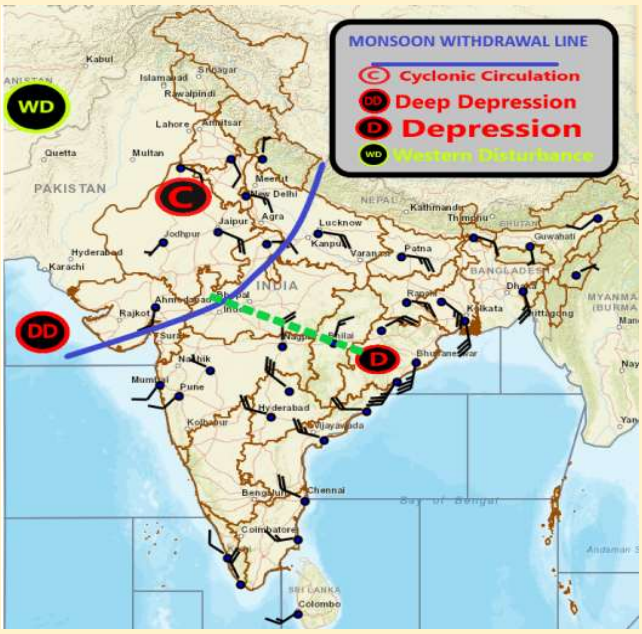

Synoptic Weather Systems-

- The **line of withdrawal of southwest monsoon** continues to pass through **20°N/ 69°E, Veraval, Bharuch, Ujjain, Jhansi, Shahjahanpur and 30°N/81°E**.
- The **Depression** over interior Odisha moved north-northwestwards with a speed of 15 kmph during past 6 hours and lay centered at 0830 hrs IST of today, the 3rd October 2025 over the same region near **latitude 20.7N and longitude 83.7E**, about 60 km westnorthwest of Phulbani (Odisha), about 100 km north-northeast of Bhawanipatna (Odisha) and 90 km south-southwest of Sambalpur (Odisha). It is very likely to move initially north-northwestwards across interior Odisha and then northwards across north Chhattisgarh and weaken gradually into a well-marked low-pressure area next 24 hours.
- The **Deep Depression** over **northeast Arabian Sea** moved northwestwards with a speed of 12 kmph during last 6 hours and lay centered at 0830 hrs IST of today, the 3rd October, 2025 over the same region near latitude 21.5N and longitude 67.0E, about 240 km west-southwest of Dwarka, 270 km southwest of Naliya, 280 km west of Porbandar and 380 km south of Karachi (Pakistan). It is likely to move west northwestwards and intensify into a cyclonic storm during next 03 hrs. Thereafter, it is like to move nearly westwards initially and then west-southwestwards and intensify further into a severe cyclonic storm during subsequent 24 hrs.
- The **upper air cyclonic circulation** over **northwest Rajasthan** & neighbourhood at 0.9 km above mean sea level persists.
- A **trough** runs from the **depression over interior Odisha to northwest Madhya Pradesh** across Chhattisgarh between 1.5 & 3.1 km above mean sea level.
- The **Western Disturbance** seen as a trough in middle tropospheric westerlies with its axis at 5.8 km above mean sea level runs roughly along **Long. 67°E to the north of Lat. 32°N.**

सिनोप्टिक मौसमी परिस्थितियां-

- **दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा** 20° उत्तर/69° पूर्व, वेरावल, भरूच, **उज्जैन**, झाँसी, शाहजहाँपुर और 30° उत्तर/81° पूर्व से होकर गुज़र रही है।
- आंतरिक ओडिशा पर बना **अवदाब (डिप्रेशन)** पिछले 6 घंटों के दौरान 15 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तरपश्चिम में आगे बढ़कर 20.7N उत्तर अक्षांश और 83.7E पूर्व देशांतर के पास, फूलबनी (ओडिशा) से लगभग 60 किमी पश्चिम-उत्तरपश्चिम, भवानीपटना (ओडिशा) से लगभग 100 किमी उत्तर-उत्तरपूर्व और संबलपुर (ओडिशा) से 90 किमी दक्षिण-दक्षिणपश्चिम पर केंद्रित हो गया। इसके शुरू में आंतरिक ओडिशा से होते हुए उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर और फिर उत्तरी छत्तीसगढ़ से होते हुए उत्तर की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों में धीरे-धीरे कमजोर होकर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव वाले क्षेत्र में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना है।
- उत्तर-पूर्व अरब सागर पर बना **गहरा अवदाब (डीप डिप्रेशन)** पिछले 6 घंटों के दौरान 12 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा अक्षांश 21.5N और देशांतर 67.0E पर केन्द्रित हो गया, जो की द्वारका से लगभग 240 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, नलिया से 270 किमी दक्षिण-पश्चिम, पोरबंदर से 280 किमी पश्चिम और कराची (पाकिस्तान) से 380 किमी दक्षिण पर स्थित है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 3 घंटों के दौरान एक **चक्रवाती तूफान** में तब्दील होने की संभावना है। इसके बाद, इसके शुरू में लगभग पश्चिम की ओर और फिर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है।
- एक **ट्रफ़** ओडिशा के आंतरिक भाग पर बने अवदाब से लेकर उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ होते हुए समुद्र तल से 1.5 से 3.1 किमी ऊपर गुजरती है।
- **एक पश्चिमी विक्षोभ** मध्य क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक ट्रफ़ के रूप में, देशांतर 67° E के साथ अक्षांश 32° N के उत्तर में माध्य समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर स्थित है।
- एक **ऊपरी हवा का चक्रवातीय परिसंचरण** उत्तर-पश्चिम राजस्थान और निकटवर्ती क्षेत्रों में माध्य समुद्र तल से 0.9 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है।

मौसम का पूर्वानुमान (Weather Forecast & Warnings) दिनांक 03.10.2025 की प्रातः 8:30 से 04.10.2025 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
अति भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	सिंगरौली, सीधी, शहडोल
भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	रीवा, मऊगंज, अनुपपुर, उमरिया, डिंडोरी
झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	भोपाल, विदिशा, रायसेन, सिहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सतना, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा

मौसम का पूर्वानुमान **(Weather Forecast & Warnings)** दिनांक 04.10.2025 की प्रातः 8:30 से 05.10.2025 की प्रातः 8:30 तक वैध		
चेतावनी (Warning)	**स्थानिक वितरण**	**जिले**
भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात	**कहीं-कहीं**	सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज
झंझावत और वज्रपात	**कहीं-कहीं**	भोपाल, विदिशा, रायसेन, सिहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा

अति भारी/भारी वर्षा से खतरे वाले क्षेत्र

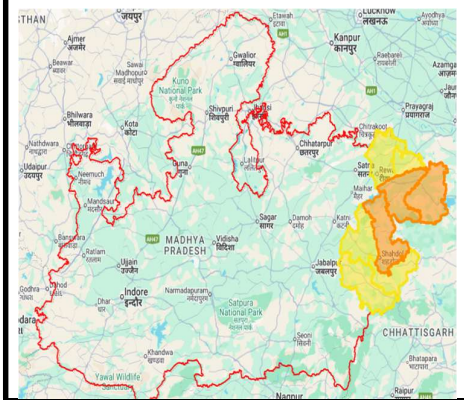

"फ्लैश फ्लड जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान, 04-10-2025 को सुबह 11:30 बजे IST तक"

अगले 24 घंटों के दौरान **पूर्वी मध्य प्रदेश** के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और इलाकों में **निम्न से मध्यम स्तर का फ्लैश फ्लड** (अचानक बाढ़) का खतरा संभव है।

पूर्वी मध्य प्रदेश - अनूपपुर, शहडोल एवं सीधी जिले।

"अगले 24 घंटों में संभावित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए गए प्रभावित क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मृदा वाले और नीचले इलाकों में सतही जल बहाव/जलभराव हो सकता है।"

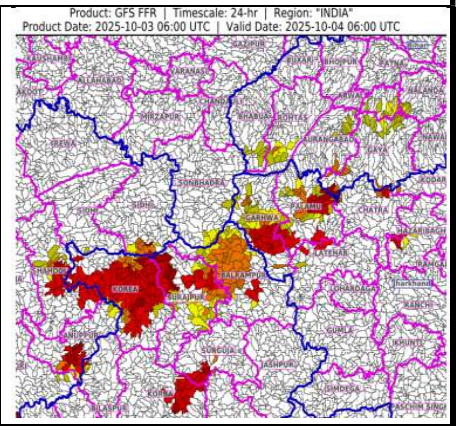

डॉ. दिव्या ई. सुरेन्द्रन / Dr. Divya E. Surendran
वैज्ञानिक – डी (पूर्वानुमान अधिकारी) / Scientist-D (Forecasting Officer)
मौ. के. भोपाल / M. C. Bhopal

Weather Forecast and Warnings from 03 October 2025 to 07 October 2025
03 अक्टूबर 2025 से 07 अक्टूबर 2025 के मध्य मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनियां

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution For 03/10/2025

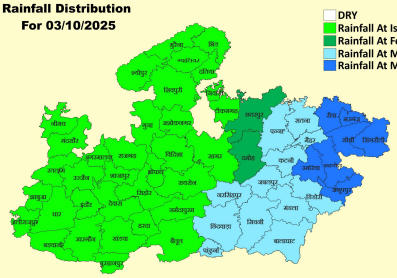

Warnings For 03/10/2025

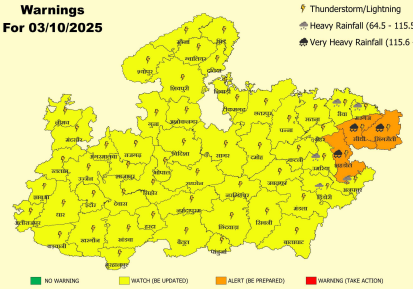

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution For 04/10/2025

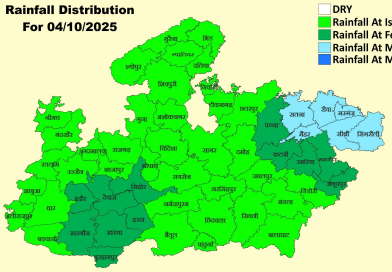

Warnings For 04/10/2025

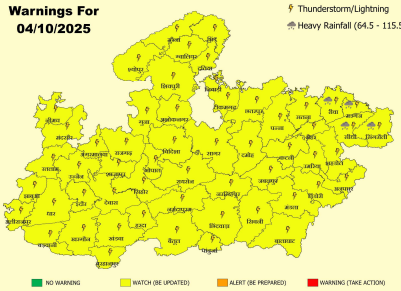

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution For 05/10/2025

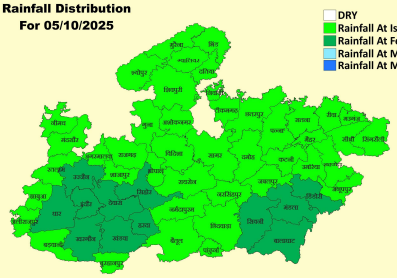

Warnings For 05/10/2025

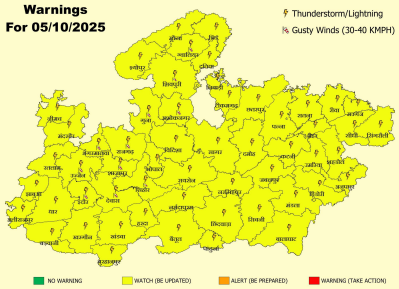

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution For 06/10/2025

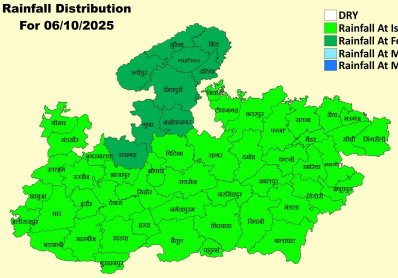

Warnings For 06/10/2025

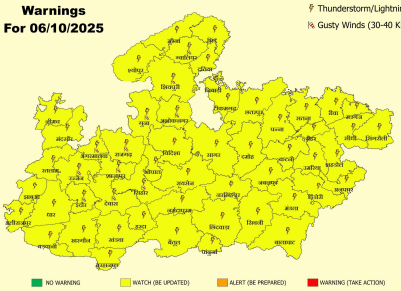

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution For 07/10/2025

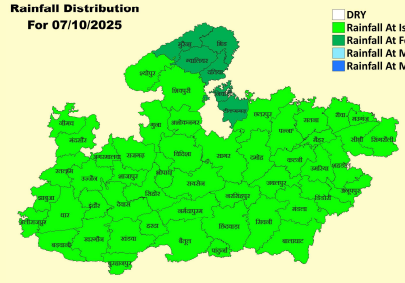

Warnings For 07/10/2025

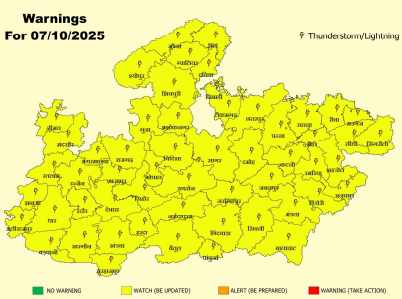

संकेत / Legends

कहीं / कहीं वर्षा -RAINFALL AT ISOLATED PLACES
कुछ स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT SCATTERED PLACES
अनेक स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MANY PLACES
अधिकांश स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MOST PLACES
वज्रपात के साथ झंझावात /THUNDERSTORM WITH LIGHTNING
झोंकेदार हवाएं / Gusty Winds
भारी वर्षा (64.5 – 115.5 मी.मी.)/ Heavy Rainfall (64.5 – 115.5mm)
अतिभारी वर्षा (115.6 – 204.4 मी.मी.)/ Very Heavy Rainfall (115.6 – 204.4mm)
अत्यधिक भारी वर्षा (204.5 मी.मी. या अधिक) / Extremely Heavy Rainfall (204.5mm and above)

निदेशक
मौसम केंद्र, भोपाल

भारी / अति भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के प्रभाव एवं सुझाव

बहुत भारी बारिश के संभावित दुष्प्रभाव	दुष्प्रभाव से बचने के उपाय
• निचले इलाकों और सुरंगों में बाढ़ आना । • खानों एवं खदानों में पानी भरना । • नदियों, झरनों एवं जलाशयों के जलस्तर में आकस्मिक वृद्धि । • कच्चे, असुरक्षित तथा अस्थायी ढांचों को मध्यम क्षति । • नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान । • बहुत भारी बारिश के दौरान जलमग्न तथा फिसलन भरी सड़क और खराब दृश्यता के कारण सड़क/रेल/जल परिवहन में मामूली/मध्यम व्यवधान हो सकता है। • बहुत पुरानी इमारतों और असुरक्षित संरचनाओं आदि के लिए खतरे की संभावना। • जल अतिप्रवाह के कारण नालों और मौसमी वर्षा आधारित जलधाराओं पर निचले पुलों और सड़कों का आंशिक/अस्थायी रूप से बंद होना । • वृक्षारोपण/बागवानी फसलों को मध्यम क्षति एवं कृषि को मामूली क्षति। • जीवन, पशुधन और संपत्ति को नुकसान के कुछ मामले।	• निचले एवं बाढ़ग्रस्त इलाकों से दूर रहें। • आकस्मिक बाढ़ की संभावना वाले क्षेत्रों से दूर रहें और पेड़ों का आश्रय लेने से बचें। सुरक्षित/पक्के घरों के अंदर सुरक्षित आश्रय लें। • खतरे के निशान के आस-पास बह रही नदियों के आप्लावन मैदानों से दूर रहें। • अस्थायी और असुरक्षित संरचनाओं को ठीक से सुरक्षित किया जाना चाहिए या खाली कर दिया जाना चाहिए। • बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था बनाएं। • यातायात में अपेक्षित देरी के कारण पूर्व योजना बनाएं। • नालों और मौसमी जलधाराओं से दूर रहें। • भारी बारिश के दौरान फिसलन भरी सड़कों एवं खराब दृश्यता की स्थिति में वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। • अतिप्रवाहित पुलों और जलमग्न सड़कों एवं सुरंगों से बचें (या पार करते समय अत्यधिक सावधानी बरतें)। • जल परिवहन एवं खनन गतिविधियों का विवेकपूर्ण विनियमन • झरनों एवं जलाशयों के पास जाने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित दुष्प्रभाव	दुष्प्रभाव से बचने के उपाय
• निचले इलाकों एवं सुरंगों में जलजमाव / अस्थायी बाढ़ । • कच्चे, असुरक्षित एवं अस्थायी ढांचों को आंशिक क्षति । • विद्युत व्यवस्था में व्यवधान । • भारी बारिश के दौरान फिसलन भरी कच्ची सड़क और खराब दृश्यता के कारण सड़क यातायात में मामूली व्यवधान । • मौसमी नालों/नदियों के जलस्तर में आकस्मिक वृद्धि । • वृक्षारोपण/बागवानी फसलों को को मामूली क्षति। • संपत्ति को नुकसान के कतिपय मामले।	• अचानक आने वाली बाढ़ की संभावना वाले क्षेत्रों से दूर रहें। • पक्के अथवा सुरक्षित मकानों में आश्रय लें। • अस्थायी और असुरक्षित संरचनाओं को ठीक से सुरक्षित किया जाना चाहिए अथवा खाली कर दिया जाना चाहिए। • बिजली की वैकल्पिक योजना बनाई जा सकती है। • यातायात में अपेक्षित देरी से बचने हेतु पूर्व योजना बनाएं। • मौसमी नदी-नालों से दूर रहें। • खतरे के निशान के आस-पास बह रही नदियों से दूर रहें। • गड्ढों, पोखरों एवं तालाबों जिनमे बाहर से पानी आता हो में नहाने से बचें।

झंझावत /वज्रपात/झोंकेदार हवाओं के दुष्प्रभाव एवं सुझाव

प्रभाव	सुझाव
• दृश्यता में कमी । • विद्युत व्यवस्था में व्यवधान, यातायात प्रवाह में व्यवधान । • इमारतों, कमजोर संरचनाओं, कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को नुकसान हो सकता है। खिड़कियाँ टूट सकती हैं और छतें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। हल्की वस्तुएं उड़ सकती हैं। • तेज झोंकेदार हवाओं/वज्रपात से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है। • झंझावत /वज्रपात से विमान को गंभीर नुकसान हो सकता है। • पशुधन, वन्य जीवन और जनजीवन को क्षतिः खुले स्थानों पर लोगों, मवेशियों और वन्यजीवों को गंभीर चोट लग सकती है, घायल भी हो सकते हैं या उनकी मृत्यु भी हो सकती है।	• घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और अगर संभव हो तो यात्रा करने से बचें। • बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें। • वाहन चलते समय सावधानी रखें। • सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे आश्रय न लें। कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न टिकें। • जलस्रोतों से तुरंत बाहर निकलें। • बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें। • घर में रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और यदि संभव हो, तो यात्रा से बचें।

स्वास्थ्य परामर्श :

- जल जनित और कीट जनित रोगों से बचाव के लिए सावधानी बरतें। फ़िल्टर किया हुआ या उबला हुआ पानी पीने और स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दें। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए रुके हुए पानी को हटाएं, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसे रोगों का खतरा कम हो सके।
- मानसून में आमतौर पर सर्दी, खांसी और वायरल बुखार जैसी बीमारियाँ फैलती हैं, इसलिए इनके लक्षणों को नज़रअंदाज़ न करें और यदि लक्षण बने रहें तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।
- हृदय रोग से पीड़ित व्यक्तियों को मानसून के दौरान अधिक नमी के कारण होने वाले जोखिमों को ध्यान में रखना चाहिए। वे नियमित रूप से अपना रक्तचाप जांचें और हृदय-स्वस्थ आहार का पालन करें।

कृषकों के लिए विशेष सलाह –

- सोयाबीन, उड़द, मूंग, मक्का एवं धान की फसलों में जल निकासी सुनिश्चित करें।
- वर्षा/तेज हवा की स्थिति में सिंचाई, उर्वरक एवं कीटनाशी का छिड़काव स्थगित करें।
- सोयाबीन में इल्ली नियंत्रण हेतु पक्षी बैठने की लकड़ियाँ व फेरोमोन ट्रैप लगाएँ।
- सोयाबीन में जलभराव की स्थिति होने पर वर्षा के बाद एन्थ्रेक्नोज एवं ब्लाइट रोग नियंत्रण हेतु टेबुकोनाज़ोल/हेक्साकोनाज़ोल का छिड़काव करें।
- सब्ज़ीदार बेलदार पौधों एवं ऊँचे पौधों (जैसे मक्का, मिर्च) को गिरने से बचाने हेतु सहारा दें।
- सोयाबीन/उड़द में पीली मोज़ेक वायरस (YMV) से ग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट करें ताकि रोग का प्रसार कम हो।
- मिर्च, लौकी, करेला आदि सब्ज़ियों को सहारा (स्टेकिंग/मंडप) प्रदान करें।
- बगीचों एवं सब्ज़ी के खेतों में जल निकासी की नालियाँ बनाकर अतिरिक्त पानी बाहर निकालें।
- पशुओं को सूखे बाड़े में रखें तथा संक्रमण कम करने हेतु बाड़े के चारों ओर चूना डालें।
- मछली तालाबों के मेड़ों को मजबूत करें ताकि बारिश का गंदा पानी अंदर न जा सके।